an>

Title: Regarding educated unemployed youth.

श्री हरीश मीना (दौसा) : अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान पूरे देश के शिक्षित बेरोजगारों की दुर्दशा की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। शिक्षित बेरोजगारों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ रही है। आज स्थिति यह है कि अनपढ़ व्यक्ति को तो नौकरी मिलने की संभावना रहती है, लेकिन पढ़े-लिखे नौजवानों के लिए नौकरी की कोई संभावना नहीं है। इस निराशा की स्थिति में हमारे शिक्षित युवा सामाजिक बुराइयों जैसे नशाखोरी आदि में लिप्त हो जाते हैं। इसके अलावा कुछ युवा देश विरोधी गतिविधियों जैसे आईएसआई की गतिविधि, नक्सलवादी गतिविधि में भी लिप्त हो जाते हैं।

महोदया, मैं आपके मार्फत सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि कोई ऐसी योजना बनाई जाए जिससे कि जो युवक शिक्षा से हुनर या ज्ञान प्राप्त करते हैं, उसका सदुपयोग हो और देश के हित में उसका इस्तेमाल किया जाए, जिससे कि वे इधर-उधर न भटकें।

माननीय अध्यक्ष :

श्री शिवकुमार उदासि,

श्री पी.पी. चौधरी और

श्री राजेन्द्र सिंह शेखावत अपने आपको श्री हरीश मीना द्वारा उठाए गए मुद्दे से संबद्ध करते हैं।

श्री सी. महेन्दून - उपस्थित नहीं।

श्रीमती नीलम सोनकर - आपका पूरा मैटर राज्य से संदर्भित है। आप नई सदस्या हैं, इसलिए मैं अनुमति प्रदान कर रही हूं, लेकिन आप भविष्य में ध्यान रखिएगा कि ज़ीरो आवर में केवल राष्ट्र से संदर्भित विषय को उठाएं।